मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांकः 05 जून 2018

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	06/06/18	07/06/18	08/06/18	09/06/18	10/06/18
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	43	44	45	45	44
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	30	31	30	29	30
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	1	0	1	0	1
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	56	53	54	56	52
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	9	8	8	7	7
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	12	12	11	8	12
हवा की दिशा	पश्चिम	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

फसल	अवस्था	सलाह
वर्षा कालीन भिण्डी		वर्षा कालीन भिण्डी की बुवाई के लिए खेत मे 3–4 बार जुताई कर पाटा लगाकर तैयार करें। अपराजिता, शक्ति, अर्का अनामिका, वर्षा उपहार व परभनी क्रांति उन्नत किस्मों के बीजों की बुवाई करें। बुवाई करते समय कतार से कतार की दूरी 60 सेमी. तथा पौधे से पौधे की दूरी 45 सेमी. रखें। बुवाई हेतु 12 किलो बीज प्रति हैक्टेयर की दर से प्रयोग में लें। बुवाई के समय 30 किलो नत्रजन, 30 किलो फास्फोरस व 30 किलो पोटास प्रति हैक्टेयर की दर से दें।
मूंगफली		मूंगफली की गिरनार–2, आर.जी–425, एच.एन.जी–123, एच.एन.जी–10, टी.जी–37–ए, टी.जी–39 व एम–13 की बुवाई करें। बुवाई के समय अन्तिम जुताई से पूर्व भूमि में प्रति हैक्टेयर 250 किलो जिप्सम, 15 किलो नाइट्रोजन और 60 किलो फास्फोरस मिलाएं। प्रति किलो बीज को 2 ग्राम मैन्कोजेब से उपचारित करें। सफेद लट के नियंत्रण हेतु बुवाई के समय क्यूनालफॉस 5 प्रतिशत चूर्ण 25 किलो प्रति हैक्टेयर की दर से कतारों मे डालें।
कपास		समय पर बोई गई कपास की फसल में बुवाई के 25 दिनों बाद सिंचाई करे तथा पौधों की छटनी करें।

(नौडल ऑफीसर)